Rajasthan Junior Legal Officer - 2019 (Paper-II CrPC & CPC)

1. Against which of the following decree, an appeal shall not lie? / निम्नलिखित में से किस डिक्री के विरुद्ध अपील नहीं की जा सकती ?
(1) Ex-parte decree/ एक पक्षीय डिक्री
(2) A decree passed by the District Court/ जिला न्यायालय द्वारा पारित डिक्री
(3) A decree passed by the court with consent of parties/ पक्षकारों की सहमति से न्यायालय द्वारा पारित डिक्री
(4) A decree passed by the High Court/ उच्च न्यायालय द्वारा पारित डिक्री

Ans [3]

2. Section 74 of the Code of Civil Procedure, 1908 deals with/ सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 74 संबंधित है
(1) resistance to execution/ निष्पादन के प्रतिरोध से
(2) seizure of property in dwelling house/ निवास - गृह में सम्पत्ति के अभिग्रहण से
(3) partial exemption of agriculture produce/ कृषि उपज को भागत: छूट से
(4) letter of request/ अनुरोध पत्र से

Ans [1]

3. Who does decide the jurisdiction of a civil court ? /सिविल न्यायालय की अधिकारिता कौन अभिनिर्धारित करता है ?
(1) Pleading of the plaintiff/ वादी का अभिवचन
(2) Pleading of the defendant / प्रतिवादी का अभिवचन
(3) Court itself / न्यायालय स्वयं
(4) Statement given by witness/ साक्षी द्वारा दिया गया कथन

Ans [3]

4. "Facta Probanda" refers to/ "फेक्टा प्रोबेन्डा" से आशय है
(1) facts need not to be proved/ तथ्य जिनको साबित करने की आवश्यकता नहीं है ।
(2) facts already proved/ तथ्य जो पहले ही साबित हो चुके हैं ।
(3) facts which prove other facts /तथ्य जो दूसरे तथ्यों को साबित करते हैं ।
(4) facts required to be proved /तथ्य जिनको साबित करने की आवश्यकता है।

Ans [4]

5. How many adjournments may be granted to a party during hearing of the suit if sufficient cause is shown? / किसी भी पक्षकार को वाद की सुनवाई के दौरान पर्याप्त हेतुक दर्शित करने पर कितनी बार स्थगन अनुदत किया जा सकता है ?
(1) Two times/ दो बार
(2) Three times/ तीन बार
(3) Four times/ चार बार
(4) Five times/ पाँच बार

Ans [2]

6. The case Daryao Vs. State of U.P. AIR 1961 SC1457 is related to/ दरयाव बनाम उत्तर प्रदेश राज्य, ए. आई. आर. 1961 एस. सी. 1457 का वाद संबंधित है
(1) Suit of civil nature/सिविल प्रकृति के वाद से
(2) Transfer of execution proceedings/ निष्पादन प्रक्रिया के अन्तरण से
(3) Adjournment/ स्थगन से
(4) Doctrine of Res-Judicata/ प्राड्ग न्याय के सिद्धान्त से

Ans [4]

7. Which of the following need not to be stated in pleading ?/ निम्नलिखित में से किसकी अभिवचन में उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है ?
(1) Effect of a document/ दस्तावेज का प्रभाव
(2) Burden of proof/ सबूत का भार
(3) Particulars in case of fraud/ कपट के मामले में विशिष्टियाँ
(4) Statement of material facts/ तात्त्विक तत्त्वों का कथन

Ans [2]

8. Which of the following Section of the Code of Civil Procedure, 1908 confers inherent power to the Civil Courts ?/ सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की निम्न में से कौन सी धारा सिविल न्यायालयों को अन्तर्निहित शक्ति प्रदान करती है ?
(1) Section 151/ धारा 151
(2) Section 144/ धारा 144
(3) Section 113/ धारा 113
(4) Section 115/ धारा 115

Ans [1]

9. A person who institutes a suit on behalf of a minor is known as/ वह व्यक्ति जो अवयस्क की ओर से वाद संस्थित करता है, कहलाता है
(1) Guardian/ संरक्षक
(2) Representative/ प्रतिनिधि
(3) Next-Friend/ वाद मित्र
(4) Relative/ रिश्तेदार

Ans [3]

10. Who does pay the subsistence allowance in case of arrest/ डिक्री के निष्पादन के लिए निर्णीत ऋणी के गिरफ्तारी के मामले में जीवन निर्वाह भत्ते का भुगतान कौन करता है ?
(1) Decree holder/ डिक्रीदार
(2) Judgement debtor/ निर्णीत ऋणी
(3) Court/ न्यायालय
(4) State Government/ राज्य सरकार

Ans [1]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Go to Last page for Linking App QR Code)

11. Who does make payment of money into court under order XXIV of the Code of Civil Procedure, 1908 ?/ सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXIV में किसके द्वारा धनराशि का भुगतान किया जाता है ?
(1) Plaintiff/ वादी द्वारा
(2) Defendant/ प्रतिवादी द्वारा
(3) Witness/ साक्षी द्वारा
(4) Court itself/ न्यायालय स्वयं द्वारा

Ans [2]

12. Who does furnish security for costs under order XXV of the Code of Civil Procedure, 1908 ?/ सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXV के अन्तर्गत खर्चों के लिए प्रतिभूति कौन देता है ?
(1) Defendant/ प्रतिवादी
(2) Witness/ साक्षी
(3) Co-defendant/ सह-प्रतिवादी
(4) Plaintiff/ वादी

Ans [4]

13. Which of the following power is not vested in commissioner if he is not a judge of a civil court?/ यदि कमिश्नर सिविल न्यायालय का न्यायाधीश नहीं है तो निम्न में से कौन सी शक्ति उसे प्रदत्त नहीं है ?
(1) Power to make partition of property/ सम्पत्ति को विभाजित करने की शक्ति
(2) Power to impose penalties/ शास्तियाँ अधिरोपित करने की शक्ति
(3) Power to call for and examine documents/ दस्तावेजों को मँगवाने एवं परीक्षण करने की शक्ति
(4) Power to examine accounts/ लेखाओं के परीक्षण की शक्ति

Ans [2]

14. When the court pass an order for payment of security under order XXV of the Code of Civil Procedure, 1908 and if the security is not furnished, the court shall make an order for/ जब न्यायालय द्वारा सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXV के अन्तर्गत प्रतिभूति देने का आदेश पारित किया जाता है एवं वह प्रतिभूति नहीं दी जाती है तो न्यायालय आदेश पारित करेगा कि
(1) dismissal of suit/ वाद खारिज कर दिया जाए ।
(2) stay of suit/ वाद को रोक दिया जाए ।
(3) return of plaint/ वाद-पत्र लौटा दिया जाए ।
(4) rejection of plaint/ वाद-पत्र नामंजूर कर दिया जाए ।

Ans [1]

15. In what capacity the court may add Government as a party under rule 2 of order XXVII A of the Code of Civil Procedure, 1908 ? /सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXVII - क, के नियम 2 के अन्तर्गत न्यायालय, सरकार को किस रूप में पक्षकार जोड़ सकता है ?
(1) As a plaintiff/ वादी के रूप में
(2) As a witness/ साक्षी के रूप में
(3) As a defendant/ प्रतिवादी के रूप में
(4) As a co-plaintiff/ सह -वादी के रूप में

Ans [3]

16. Where the suit is instituted against a corporation, the summons may be served/जहाँ वाद किसी निगम के विरुद्ध संस्थित किया जाता है, समन की तामील की जा सकती है
(1) on the secretary/ सचिव को
(2) on the director/ निदेशक को
(3) on any principal officer/ अन्य प्रधान अधिकारी को
(4) Any of these/ इनमें से किसी को भी

Ans [4]

17. Any agreement or compromise entered into by next-friend or guardian for the suit on behalf of minor without the leave of the court shall be/ न्यायालय की इजाजत के बिना, किसी वाद- मित्र या वादार्थ संरक्षक द्वारा अवयस्क की ओर से किया गया करार या समझौता
(1) void against all parties/ सभी पक्षकारों के विरुद्ध शून्य होगा ।
(2) voidable against all parties/ सक्षी पक्षकारों के विरुद्ध शून्यकरणीय होगा ।
(3) voidable against all parties other than minor /अवयस्क से भिन्न सभी पक्षकारों के विरुद्ध शून्यकरणीय होगा।
(4) valid/ वैध होगा ।

Ans [3]

18. Which of the following court may issue. Commission under Rule 19 of order XXVI of the Code of Civil Procedure, 1908 ? / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXVI के नियम 19 के अन्तर्गत निम्न में से कौन सा न्यायालय कमीशन जारी कर सकता ?
(1) Any Civil Court/ कोई भी सिविल न्यायालय
(2) Supreme Court/ उच्चतम न्यायालय
(3) District Court/ जिला न्यायालय
(4) High Court/ उच्च न्यायालय

Ans [4]

19. Which of the following court cannot make an order for the attachment of immovable property under order XXXVIII of the Code of Civil Procedure, 1908 ?/ सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXXVIII के अन्तर्गत निम्न में से कौन सा न्यायालय स्थावर संपत्ति की कुर्की का आदेश नहीं दे सकता ?
(1) Court of small causes/ लघुवाद न्यायालय
(2) District Court/ जिला न्यायालय
(3) High Court/ उच्च न्यायालय
(4) Senior Civil Court/ वरिष्ठ सिविल न्यायालय

Ans [1]

20. Every appeal shall be preferred under the Code of Civil Procedure, 1908 in the form of ------- appellant or his pleader./ प्रत्येक अपील, सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अन्तर्गत, अपीलार्थी या उसके अधिवक्ता द्वारा हस्ताक्षरित ------- के रूप में की जायेगी ।

(1) application/ आवेदन-पत्र
(2) memorandum/ ज्ञापन
(3) plaint/ वाद-पत्र
(4) notice/ सूचना

Ans [2]

21. Which of the following Section of the Code of Civil Procedure, 1908 deals with the provisions relating to "Review"? /सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की निम्न में से कौन सी धारा में " पुनर्विलोकन" संबंधी प्रावधान है ?

(1) Section 112/ धारा 112 में
(2) Section 113/ धारा 113 में
(3) Section 114 /धारा 114 में
(4) Section 115/ धारा 115 में

Ans [3]

22. Which of the following suit cannot be disposed of by following summary procedure?/ निम्नलिखित में से कौन सा वाद संक्षिप्त प्रक्रिया द्वारा निस्तारित नहीं किया जा सकता ?

(1) Suit based upon bill of exchange/ विनिमय-पत्रों पर आधारित वाद
(2) Suit based upon promissory note/ वचन - पत्रों पर आधारित वाद
(3) Suit for partition of property/ संपत्ति के विभाजन के लिए वाद
(4) Suit for recovery of debt arising on written contract/ लिखित संविदा से उद्भुत ऋण वसूली के लिए वाद

Ans [3]

23. Under which Section of the Code of Civil Procedure, 1908 contains the provisions regarding appeal from original decree? सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की किस धारा में मूल डिक्री के विरुद्ध अपील के प्रावधान निहित हैं ?

(1) Section 96/ धारा 96
(2) Section 100/ धारा 100
(3) Section 104/ धारा 104
(4) Section 113/ धारा 113

Ans [1]

24. The provisions regarding temporary injunction are contain in which order of the Code of Civil Procedure, 1908 ?/ सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 में के अस्थाई व्यादेश संबंधी प्रावधान निहित हैं ।

(1) Order XL/ आदेश XL
(3) Order XLI/ आदेश XLI
(2) Order XXX/ आदेश XXX
(4) Order XXXIX/ आदेश XXXIX

Ans [4]

25. Which of the following court has the power of revision with regard to Civil matters ?/ सिविल मामलों के संबंध में निम्न में से किस न्यायालय के पास पुनरीक्षण की शक्ति है ?

(1) District Court/ जिला न्यायालय
(2) Court of small causes/ लघुवाद न्यायालय
(3) High Court/ उच्च न्यायालय
(4) City Civil Court/ नगर सिविल न्यायालय

Ans [3]

26. Which of the following statement is not true?/ निम्न में से कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

(1) A decree may be executed by the court which passed it/ डिक्री का निष्पादन उसे पारित करने वाले न्यायालय द्वारा किया जा सकता है ।
(2) A decree may be executed by the court to which it is sent for execution/डिक्री उस न्यायालय द्वारा निष्पादित की जा सकती है जिसे वह निष्पादन के लिए भेजी गई है ।
(3) The court which passed the decree may of its own motion send it for execution to any subordinate court of competent jurisdiction/ डिक्री पारित करने वाला न्यायालय स्वप्रेरणा से उसे सक्षम अधिकारिता वाले किसी भी अधीनस्थ न्यायालय को निष्पादन के लिए भेज सकता है ।
(4) The court which passed a decree may execute it against property outside the local limits of jurisdiction/न्यायालय जिसने डिक्री पारित की है, अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के बाहर संपत्ति के विरुद्ध डिक्री का निष्पादन कर सकता है ।

Ans [4]

27. Which of the following court may issue precept?/ निम्नलिखित में से कौन सा न्यायालय आज्ञापत्र जारी कर सकता है ?

(1) Only High court/ केवल उच्च न्यायालय
(2) The court in whose jurisdiction the property is situated/ न्यायालय जिसकी अधिकारिता में सम्पत्ति स्थित है ।
(3) The court passing the decree/ डिक्री पारित करने वाला न्यायालय
(4) Only District court/ केवल जिला न्यायालय

Ans [3]

28. To what extent a legal representative shall be liable if decree is executed against him?/ यदि डिक्री, विधिक प्रतिनिधि के विरुद्ध निष्पादित की जाती है तो वह (विधिक प्रतिनिधि) किस हद तक दायी होगा ?

(1) His personal property shall be liable for execution of decree/ डिक्री के निष्पादन के लिए उसकी निजी संपत्ति दायी होगी ।

(2) Only that property of deceased shall be liable which has come to his hand and has not been duly disposed of/ मृतक की केवल वह सम्पत्ति दायी होगी, जो उसके हाथ में आई है और सम्यक् रूप से व्ययनित नहीं कर दी गई है ।
(3) Only that property of deceased shall be liable which has come to his hand and has been duly disposed of/ मृतक की केवल वह सम्पत्ति दायी होगी जो उसके हाथ में आई है और सम्यक् रूप से व्ययनित कर दी गई है ।
(4) He shall not be liable even any property of deceased come to his hand/ वह दायी नहीं होगा भले ही मृतक की सम्पत्ति उसके हाथ में आई है ।

Ans [2]

29. Which of the following power is not vested in the court executing transferred decree?/ अन्तरित डिक्री निष्पादित करने वाले न्यायालय के पास निम्न में से कौन सी शक्ति नहीं है ?
(1) Power to send the decree for execution to another court/ किसी अन्य न्यायालय को निष्पादन के लिए डिक्री भेजने की शक्ति
(2) Power to execute the decree against legal representative of deceased judgement debtor/ मृत निर्णीत ऋणी के विधिक प्रतिनिधि के विरुद्ध डिक्री को निष्पादित करने की शक्ति
(3) Power to order attachment of decree/ डिक्री को कुर्क करने का आदेश देने की शक्ति
(4) Power to order execution at the instance of transferee of decree/ डिक्री के अन्तरिती की प्रेरणा से निष्पादन का आदेश देने की शक्ति

Ans [4]

30. Which of the following property shall not be liable to attachment and sale in execution of decree? / निम्न में से कौन सी सम्पत्ति डिक्री के निष्पादन के लिए कुर्क और विक्रय के लिए दायी नहीं होगी ?
(1) Any right of personal service/ वैयक्तिक सेवा कराने का कोई अधिकार
(2) Goods/ माल
(3) Money/ धन
(4) Debts/ ऋण

Ans [1]

31. Where immovable property is sold in execution of a decree and such sale has become absolute. When the property shall be deemed to have vested in the purchaser ? /जहाँ किसी डिक्री के निष्पादन में स्थावर सम्पत्ति का विक्रय किया गया है और ऐसा विक्रय आत्यान्तिक हो गया है वहाँ कब से यह समझा जायेगा कि सम्पत्ति क्रेता में निहित हो गई है ?
(1) From the time when the sale becomes absolute/ उस समय से जब विक्रय आत्यान्तिक हुआ
(2) From the time when the property is sold/ उस समय से जब सम्पत्ति का विक्रय हुआ
(3) From the time when the suit was instituted/ उस समय से जब वाद संस्थित किया गया
(4) From the time when the decree was passed/ उस समय से जब डिक्री पारित की गई

Ans [2]

32. For which of the following purpose a court may issue commission? /निम्नलिखित में से किस उद्देश्य के लिए न्यायालय कमीशन जारी कर सकता है ?
(1) To examine any person/ किसी व्यक्ति की परीक्षा करने के लिए
(2) To make partition of property/ सम्पत्ति का विभाजन करने के लिए
(3) To perform any ministerial act/ कोई मिनिस्ट्रियल कार्य करने के लिए
(4) For all of these purposes/ इन सभी उद्देश्यों के लिए

Ans [4]

33. Which of the following property is liable to attachment and sale in execution of a decree ? /निम्न में से कौन सी सम्पत्ति डिक्री के निष्पादन के लिए कुर्क के लिए दायी होगी ?
(1) Book of Accounts/ लेखा बहियाँ
(2) A mere right to sue for damages/ नुकसानी के लिए वाद लाने का अधिकार मात्र
(3) Government Securities/ सरकारी प्रतिभूतियाँ
(4) A right to future maintenance/ भावी भरणपोषण का अधिकार

Ans [3]

34. Section 35 B of the Code of Civil Procedure, 1908 deals with /सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 35 ख संबंधित है-
(1) costs for causing delay/ विलम्ब कारित करने पर खर्चे से
(2) cost of the suit/ वाद के खर्चे से
(3) interest/ ब्याज से
(4) compensatory costs in respect of false or vexatious claims or defences/ मिथ्या या तंग करने वाले दावों या प्रतिरक्षाओं के लिए प्रतिकारात्मक खर्चे से

Ans [1]

35. How much time period can be enlarged by a court in total under Section 148 of the Code of Civil Procedure, 1908 ? / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 148 के अन्तर्गत न्यायालय कुल मिलाकर समय अवधि को कितना बढ़ा सकता है ?
(1) Not exceeding ten days/ दस दिन से अधिक नहीं
(2) Not exceeding sixty days/ साठ दिन से अधिक नहीं
(3) Not exceeding ninety days/ नब्बे दिन से अधिक नहीं

(4) Not exceeding thirty days/ तीस दिन से अधिक नहीं

Ans [4]

36. Section 3 of the Code of Civil Procedure 1908, deals with/ सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 3 संबंधित है

(1) Pecuniary Jurisdiction/ धन संबंधी क्षेत्राधिकार से
(2) Subordination of courts/ न्यायालयों की अधीनस्थता से
(3) Definitions/ परिभाषाओं से
(4) Stay of suit/ वाद को रोकने से

Ans [2]

37. In which of the following rule, if a suit is dismissed, the plaintiff shall not be precluded from bringing a fresh suit in respect of same cause of action? / निम्नलिखित में से किस नियम में यदि वाद खारिज हो जाता है तो वादी उसी वाद हेतुक के लिए नया वाद लाने से प्रवारित नहीं हो जाएगा ?

(1) Rule 9 of Order IX/ आदेश IX, नियम 9
(2) Rule 21 of Order XI /आदेश XI, नियम 21
(3) Rule 9 of Order XXII / आदेश XXII, नियम 9
(4) Rule 3 of Order IX /आदेश IX, नियम 3

Ans [4]

38. By which of the following Act Section 148A (Right to lodge caveat) was inserted in the Code of Civil Procedure 1908 ? / निम्नलिखित में से किस अधिनियम द्वारा धारा 148 - क (केवियट दायर करने का अधिकार) को सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 में अन्तर्निर्दिष्ट किया गया ?

(1) By Act 46 of 1999/1999 के अधिनियम 46 द्वारा
(2) By Act 104 of 1976/1976 के अधिनियम 104 द्वारा
(3) By Act 66 of 1956/1956 के अधिनियम 66 द्वारा
(4) By Act 22 of 2002/2002 के अधिनियम 22 द्वारा

Ans [2]

39. Which of the following jurisdiction of the court is not covered under Section 21 of the Code of Civil Procedure, 1908 ? /सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 की धारा 21 में न्यायालय का निम्न में से कौन सा क्षेत्राधिकार अन्तर्निहित नहीं है ?

(1) Territorial Jurisdiction/ प्रादेशिक क्षेत्राधिकार
(2) Pecuniary Jurisdiction/ धन संबंधी क्षेत्राधिकार
(3) Jurisdiction of executing court/ निष्पादन करने वाले न्यायालय का क्षेत्राधिकार
(4) Jurisdiction relating to subject/ विषय-वस्तु संबंधी क्षेत्राधिकार

Ans [4]

40. Which of the following person can be arrested or detained under civil process ? /निम्नलिखित में से किस व्यक्ति को सिविल प्रक्रिया के अन्तर्गत गिरफ्तार या निरुद्ध किया जा सकता है ?

(1) A member of either House of Parliament during continuance of any meeting of such House/ संसद के किसी सदन के अधिवेशन के चालू रहने के दौरान उस सदन का कोई सदस्य
(2) A member of Legislative Council of State during continuance of any meeting of such council/ विधान परिषद् के किसी अधिवेशन के चालू रहने के दौरान उस परिषद् का कोई सदस्य
(3) A woman who according to customs and manner of country, ought not to be compelled to appear in public/ वह स्त्री जिसे देश की रूढ़ियों और रीतियों के अनुसार लोगों के सामने आने के लिए विवश नहीं किया जाना चाहिए
(4) A magistrate while going to or presiding in his court/ मजिस्ट्रेट जब वह अपने न्यायालय को जा रहा हो या पीठासीन हो

Ans [3]

41. Rule 8 of order XXVII of the Code of Civil Procedure, 1908 deals with /सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXVII का नियम 8 संबंधित है

(1) Procedure in suits against public officer/ लोक अधिकारी के विरुद्ध वादों में प्रक्रिया
(2) Definition of Government/ सरकार की परिभाषा
(3) Persons authorized to act for Government/ सरकार के लिए कार्य करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति
(4) Agent for Government to receive process/ आदेशिका प्राप्त करने के लिए सरकार का अभिकर्ता

Ans [1]

42. The provisions relating to compromise of suit are provided under the Code of Civil Procedure, 1908. /सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के वाद के समझौते से संबंधित प्रावधान निहित है ।

(1) Rule 1 of Order XXIII/ आदेश XXIII के नियम 1
(2) Rule 2 of Order XXIII/ आदेश XXIII के नियम 2
(3) Rule 3 of Order XXIII/ आदेश XXIII के नियम 3
(4) Rule 3 of Order XXII/ आदेश XXII के नियम 3

Ans [3]

43. If the defendant enters on appearance in a suit instituted under Order XXXVII of the Code of Civil Procedure, 1908, what shall the plaintiff serve on the defendant in form number 4A in Appendix 'B'? /सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXXVII के अन्तर्गत संस्थित वाद में यदि प्रतिवादी उपसंजात होता है तो उसके पश्चात् वादी, प्रतिवादी पर परिशिष्ट 'ख' के प्रारूप संख्यांक 4 - क में क्या तामील करेगा ?

(1) Summons for settlement of issues/ विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए समन
(2) Summons for judgement/ निर्णय के लिए समन
(3) Summons for order/ आदेश के लिए समन
(4) Summons for temporary injuction/ अस्थायी व्यादेश के लिए समन

Ans [2]

44. How much time period can be extended. in aggregate by the court under Rule 5 of Order XXVII of the Code of Civil Procedure, 1908 ? / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXVII के नियम 5 के अन्तर्गत न्यायालय द्वारा कुल मिलाकर कितनी समय अवधि बढ़ाई जा सकती है ?

(1) Not exceeding 30 days/30 दिन से अधिक नहीं
(2) Not exceeding 15 days/15 दिन से अधिक नहीं
(3) Not exceeding 2 months/2 माह से अधिक नहीं
(4) Not exceeding 3 months/3 माह से अधिक नहीं

Ans [3]

45. Which of the following powers an Appellate court shall have? / निम्नलिखित में से कौन सी शक्ति अपीलीय न्यायालय में निहित है ?

(1) Power to remand a case/ मामले को प्रतिप्रेषण करने की शक्ति
(2) Power to frame issues/ विवाद्यक विरचित करने की शक्ति
(3) Power to take additional evidence/ अतिरिक्त साक्ष्य लेने की शक्ति
(4) All of these mentioned powers/ ये सभी शक्तियाँ

Ans [4]

46. Which of the following statement is not true ? /निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

(1) The Code of Civil Procedure, 1908 shall not affect the power of Supreme Court under Article 136 of the Constitution/ सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 संविधान के अनुच्छेद 136 के अधीन उच्चतम न्यायालय की शक्तियों पर प्रभाव नहीं डालती है ।
(2) The Code of Civil Procedure, 1908 shall not interfere with rules made by Supreme Court for presentation of appeals to that court/ सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 उच्चतम न्यायालय में अपीलों को उपस्थित करने के लिए उस न्यायालय द्वारा बनाए गए नियमों में हस्तक्षेप नहीं करती है
(3) The Code of Civil Procedure, 1908 limits the special law now in force/ सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 विशेष विधि को जो अब प्रवृत्त है को परिसीमित करती है
(4) The Code of Civil Procedure, 1908 does not extend to the State of Nagaland and the tribal areas/ सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 का विस्तार नागालैण्ड राज्य और जनजाति क्षेत्रों में नहीं है

Ans [3]

47. Against which of the following order an appeal shall not lie under the Code of Civil Procedure, 1908 ? / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अन्तर्गत निम्नलिखित में से किस आदेश की अपील नहीं की जा सकती ?

(1) an order in interpleader suit under Rule 3 of Order XXXV/ अन्तराभिवाची वाद में आदेश जो कि आदेश XXXV के नियम 3 के अन्तर्गत दिया गया हो
(2) an order of refusal under Rule 19 of Order XLI to re-admit an appeal/ अपील को आदेश XLI के नियम 19 के अधीन पुनःग्रहण करने से इन्कार का आदेश
(3) an order under Rule 4 of Order XLVII granting an application for review/ पुनर्विलोकन के लिए आवेदन मंजूर करने का आदेश जो आदेश XLVII के नियम 4 के अधीन दिया गया हो
(4) an order of return of plaint under Rule 10 of Order VII where the procedure of Rule 10A of Order VII has been followed/ वाद पत्र को लौटाने का आदेश जो आदेश VII के नियम 10 के अधीन दिया गया हो जहाँ आदेश VII के नियम 10 - क प्रक्रिया का अनुसरण किया गया हो

Ans [4]

48. An "inquiry" under the code of Criminal Procedure 1973 is conducted by /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत 'जाँच' की जाती है

(1) Police officer/ पुलिस अफसर द्वारा
(2) Magistrate/ मजिस्ट्रेट द्वारा
(3) Pleader/ अधिवक्ता द्वारा
(4) Witness/ साक्षी द्वारा

Ans [2]

49. A report made by the police officer in a discloses, which after investigation, the commission of non-cognizable offence, shall be deemed to be a- /ऐसे किसी मामले में जो अन्वेषण के पश्चात् किसी असंज्ञेय अपराध का किया जाना प्रकट करता है, पुलिस द्वारा दी गई रिपोर्ट समझी जायेगी

(1) police report/ पुलिस रिपोर्ट
(2) final report / अंतिम रिपोर्ट
(3) inquest report/ मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट
(4) complaint/ परिवाद

Ans [4]

50. Under the code of Criminal Procedure 1973, "any proceeding in the course of which evidence is legally taken on Oath" is considered as - /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत "कोई ऐसी कार्यवाही जिसके अनुक्रम में साक्ष्य वैध रूप से शपथ पर लिया जाता है" समझी जायेगी

(1) Judicial proceeding/ न्यायिक प्रक्रिया
(2) Extra Judicial proceeding/ गैर न्यायिक प्रक्रिया
(3) Ordinary proceeding/ सामान्य प्रक्रिया
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं

Ans [1]

51 Which of the following statement not true as per the code of Criminal Procedure 1973 ? /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के संदर्भ में कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

(1) A complaint is made to a magistrate/ परिवाद मजिस्ट्रेट को किया जाता है ।
(2) A complain may be made orally/ परिवाद मौखिक रूप से किया जा सकता

(3) A complaint does not include a police report /परिवाद के अन्तर्गत पुलिस रिपोर्ट नहीं आती है ।
(4) A complaint is made against known person only /परिवाद केवल ज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध किया जाता है

Ans [4]

52. "Police Report" is defined under of the code of Criminal Procedure 1973./"पुलिस रिपोर्ट" दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की में परिभाषित है ।
(1) Section 2 (r) / धारा 2 (द)
(2) Section 2 (p)/ धारा 2 (त)
(3) Section 2(q) / धारा 2 (थ)
(4) Section 2 (w) /धारा 2 (ब)

Ans [1]

53. Section 157 of the code of Criminal Procedure 1973 deals with - /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 157 से संबंधित है
(1) Information in cognizable cases/ संज्ञेय मामलों में इत्तला
(2) Report how submitted/ रिपोर्ट कैसे दी जायेगी
(3) Procedure for investigation/ अन्वेषण के लिए प्रक्रिया
(4) Examination of witness by police/ पुलिस द्वारा साक्षियों की परीक्षा

Ans [3]

54. Who establishes a court of session? /सेशन न्यायालय कौन स्थापित करता है ?
(1) Central Government / केन्द्रीय सरकार
(2) State Government / राज्य सरकार
(3) High Court / उच्च न्यायालय
(4) Supreme Court/ उच्चतम न्यायालय

Ans [2]

55. Provisions relating to special summons are contained in---------- of Criminal Procedure 1973 /विशेष समन संबंधित संहिता 1973 की प्रावधान दण्ड प्रक्रिया ------- में निहित है ।
(1) Section 205/ धारा 205
(2) Section 204/ धारा 204
(3) Section 206/ धारा 206
(4) Section 207/ धारा 207

Ans [3]

56. Who defines the local limits of the area within which the Judicial Magistrate may exercise his powers? /उन क्षेत्रों की स्थानीय सीमाएँ कौन परिनिश्चित कर सकता है जिनके अन्दर न्यायिक मजिस्ट्रेट अपनी शक्तियों का प्रयोग कर सकते हैं ?
(1) Chief Judicial Magistrate subject to the control of High Court./ उच्च न्यायालय के नियंत्रण के अधीन मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
(2) Chief Judicial Magistrate subject to the control of court of session/ सेशन न्यायालय के नियंत्रण के अधीन मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
(3) Court of session subject to the control of High Court/ उच्च न्यायालय के नियंत्रण के अधीन सेशन न्यायालय
(4) Court of session subject to the control of the State Government/ राज्य सरकार के नियंत्रण के अधीन सेशन न्यायालय

Ans [1]

57. Which of the following case can be investigated by officer incharge of a police station without the order of a magistrate ? /निम्नलिखित में से किस मामले में पुलिस थाने का भारसाधक अधिकारी मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना अन्वेषण कर सकता है ?
(1) summons case/ समन मामला
(2) warrant case/ वारण्ट मामला
(3) cognizable case/ संज्ञेय मामला
(4) non-cognizable case/ असंज्ञेय मामला

Ans [3]

58. Which of the following offence is a non-cognizable offence ? / निम्नलिखित में से कौन सा अपराध असंज्ञेय अपराध है ?
(1) Causing Miscarriage under Section 312 of Indian Penal Code 1860/ भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 312 के अन्तर्गत गर्भपात कारित करना
(2) Causing death by rash or negligent Act under Section 304 A of Indian Penal Code 1860/ भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 304 - क के अन्तर्गत उतावलेपन या उपेक्षापूर्ण कार्य से मृत्यु कारित करना
(3) Attempt to commit suicide under Section 309 of Indian Penal Code 1860/ भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 309 के अन्तर्गत आत्महत्या करने का प्रयास करना
(4) Voluntarily causing grievous hurt under Section 325 of Indian Penal Code 1860/ भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 325 के अन्तर्गत स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना

Ans [1]

59. Where no Assistant Public Prosecutor is available for the purpose of any particular case, the ------ may appoint any other person to be the Assistant Public Prosecutor incharge of that case. /जहाँ कोई सहायक लोक अभियोजक किसी विशिष्ट मामले के प्रयोजनों के लिए उपलब्ध नहीं है, वहाँ -------- किसी अन्य व्यक्ति को उस मामले का भारसाधक सहायक लोक अभियोजक नियुक्त कर सकता है ।
(1) Court of Session/ सेशन न्यायालय
(2) Judicial Magistrate/ न्यायिक मजिस्ट्रेट
(3) District Magistrate/ जिला मजिस्ट्रेट
(4) State Government/ राज्य सरकार

Ans [3]

60. An offence of committing affray is - /दंगा करने का अपराध है

(1) Non-cognizable offence and Bailable/ असंज्ञेय एवं जमानतीय अपराध
(2) Non-cognizable and Non-bailable offence / असंज्ञेय एवं अजमानतीय अपराध
(3) Cognizable and Bailable offence/ संज्ञेय एवं जमानतीय अपराध
(4) Cognizable and Non-bailable offence/ संज्ञेय एवं अजमानतीय अपराध

Ans [3]

61. Which of the following Sections of the code of Criminal Procedure 1973 deals with "Security for good behaviour from suspected persons" – /दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की कौन सी धारा "संदिग्ध व्यक्तियों से सदाचार के लिए प्रतिभूति" से संबंधित है ?

(1) Section 106/ धारा
(2) Section 107/ धारा
(3) Section 109/ धारा
(4) Section 110/ धारा

Ans [3]

62. An offence committed by public servant framing an incorrect record or writing, under Section 218 of the Indian Penal Code 1860 is triable - /भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 218 के अन्तर्गत लोक सेवक द्वारा अशुद्ध अभिलेख या लेख की रचना करने का अपराध विचारणीय है

(1) by Court of session only/ केवल सेशन न्यायालय द्वारा
(2) by any Magistrate/ कोई भी मजिस्ट्रेट द्वारा
(3) by Executive Magistrate/ कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वारा
(4) by Magistrate of first class/ प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट द्वारा

Ans [4]

63. If a person is in lawful custody escapes, the person from whose custody he escaped may immediately pursue and arrest him - /यदि कोई व्यक्ति विधिपूर्ण अभिरक्षा में से निकल भागता है तो वह व्यक्ति जिसकी अभिरक्षा से वह निकल भागा है, उसका तुरन्त पीछा कर सकता है और उसे गिरफ्तार कर सकता है :

(1) in any place in India/ भारत के किसी स्थान में
(2) in any place in the limits of that police station / उस पुलिस थाने की सीमाओं में किसी स्थान में
(3) in any place in that district /उस जिले के किसी स्थान में
(4) in any place in that state/ उस राज्य के किसी स्थान में

Ans [1]

64. Which of the following sentence may be passed by Additional Session Judge? /निम्न में से कौन सा दण्डादेश अपर सेशन न्यायाधीश दे सकता है ?

(1) Any sentence but sentence of death shall be subject to confirmation by High Court./ कोई भी दण्डादेश किन्तु मृत्यु दण्डादेश के उच्च न्यायालय द्वारा पुष्ट किये जाने की आवश्यकता होगी ।
(2) Any sentence except a sentence of death or imprisonment of life or of imprisonment for a term exceeding ten years/ मृत्यु या आजीवन कारावास या दस वर्ष से अधिक अवधि के लिए कारावास के दण्डादेश के सिवाय कोई भी दण्डादेश
(3) Any sentence except a sentence of death or imprisonment of life or of imprisonment for a term exceeding seven years./ मृत्यु या आजीवन कारावास या सात वर्ष से अधिक अवधि के लिए कारावास के दण्डादेश के सिवाय कोई भी दण्डादेश
(4) Both (Any sentence but sentence of death shall be subject to confirmation by High Court) and (Any sentence except a sentence of death or imprisonment of life or of imprisonment for a term exceeding ten years)/ (कोई भी दण्डादेश किन्तु मृत्यु दण्डादेश के उच्च न्यायालय द्वारा पुष्ट किये जाने की आवश्यकता होगी) और (मृत्यु या आजीवन कारावास या दस वर्ष से अधिक अवधि के लिए कारावास के दण्डादेश के सिवाय कोई भी दण्डादेश) दोनों ।

Ans [1]

65. Which of the following Section of the code of Criminal Procedure 1973 deals with "Proclamation for person absconding - /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की निम्न में से कौन सी धारा " फरार व्यक्ति के लिए उद्घोषणा" से संबंधित है ?

(1) Section 80/ धारा
(2) Section 81/ धारा
(3) Section 82/ धारा
(4) Section 83/ धारा

Ans [3]

66. Chapter VII of the code of Criminal Procedure 1973 deals with - /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 का अध्याय VII संबंधित है

(1) process to compel the production of things/ चीजें पेश करने को विवश करने के लिए आदेशिकाएँ
(2) process to compel appearance/ हाजिर होने को विवश करने के लिए आदेशिकाएँ
(3) security for keeping the peace and for good behaviour/ परिशान्ति कायम रखने के लिए और सदाचार के लिए प्रतिभूति
(4) Preventive action of the police /पुलिस का निवारक कार्य

Ans [1]

67. Which of the following Magistrate is authorized to grant a warrant to search for a document, parcel or other thing in the custody of the postal or telegraph authority - /निम्नलिखित में से कौन सा मजिस्ट्रेट डाक या तार

प्राधिकारी की अभिरक्षा में किसी दस्तावेज, पार्सल या अन्य चीज की तलाशी के लिए वारण्ट जारी करने के लिए प्राधिकृत है ?

(1) Judicial Magistrate first class/ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम वर्ग
(2) Any Executive Magistrate/ कोई भी कार्यपालक मजिस्ट्रेट
(3) District Magistrate/ जिला मजिस्ट्रेट
(4) Metropolitan Magistrate /महानगर मजिस्ट्रेट

Ans [3]

68. Which of the following statement is not true - / निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

(1) A warrant of arrest may be directed to more than one police officer/ गिरफ्तारी का वारण्ट एक से अधिक पुलिस अधिकारियों को निर्दिष्ट हो सकता है
(2) A warrant directed to any police. officer cannot be executed by any other police officer under Section 74 of the code of Criminal Procedure 1973/ दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 74 के अन्तर्गत किसी पुलिस अधिकारी को निर्दिष्ट वारण्ट का निष्पादन अन्य पुलिस अधिकारी द्वारा नहीं किया जा सकता
(3) A warrant for arrest shall remain in force until it is cancelled or until it is executed/ गिरफ्तारी के लिए वारण्ट तब तक प्रवर्तन में रहेगा जब तक उसे रद्द नहीं कर दिया जाता है या निष्पादित नहीं कर दिया जाता है
(4) A warrant of arrest may be executed at any place in India/ गिरफ्तारी का वारण्ट भारत के किसी भी स्थान में निष्पादित किया जा सकता है

Ans [2]

69. Which of the following statement is not true ? /निम्नलिखित में से कौन सा कथन असत्य है ?

(1) The statement of the witnesses recorded during investigation under Section 161 of the code of Criminal Procedure 1973 are inserted in case diary/ दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 161 के अधीन अन्वेषण के दौरान अभिलिखित किए गए साक्षियों के कथन केस डायरी में अन्तः स्थापित किये जाते हैं
(2) Any Criminal Court cannot use police diary as an evidence in that case/ कोई दण्ड न्यायालय पुलिस डायरी का उपयोग उस मामले में साक्ष्य के रूप में नहीं कर सकता
(3) No magistrate of second class, not specially empowered by the High Court, shall authorize detention in the custody of police under Section 167 of the code of Criminal Procedure 1973/ दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 167 के अधीन कोई द्वितीय वर्ग मजिस्ट्रेट को उच्च न्यायालय द्वारा विशेषतया सशक्त नहीं किया गया है, पुलिस की अभिरक्षा में निरोध प्राधिकृत नहीं करेगा
(4) No further investigation can be conducted in respect of an offence after forwarding a police report to the magistrate./ मजिस्ट्रेट को पुलिस रिपोर्ट भेजने के बाद उस अपराध के संबंध में आगे और अन्वेषण नहीं किया जा सकता

Ans [4]

70. May empower any magistrate of the second class to take cognizance under Section 190 (1) of the code of Criminal Procedure 1973, of such offences as are within his competence to inquire into or try. /किसी द्वितीय वर्ग मजिस्ट्रेट को ऐसे अपराधों का, जिनकी जाँच या विचारण करना उसकी क्षमता के अन्दर है, दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 190 (1) के अधीन संज्ञान लेने के लिए सशक्त कर सकता/सकती है ।

(1) High Court/ उच्च न्यायालय
(2) Chief Judicial Magistrate/ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
(3) State Government/ राज्य सरकार
(4) Court of Session/ सेशन न्यायालय

Ans [2]

71. In which of the following case a magistrate can order stopping further investigation when the investigation is not concluded within six months from the date on which the accused was arrested ? /निम्नलिखित में से किस मामले में यदि अन्वेषण अभियुक्त के गिरफ्तार किये जाने की तारीख से छः मास की अवधि के भीतर समाप्त नहीं होता है तो मजिस्ट्रेट आगे और अन्वेषण को रोकने का आदेश दे सकता है ?

(1) Summons case/ समन मामला
(2) Warrant case/ वारण्ट मामला
(3) Cognizable case/ संज्ञेय मामला
(4) Non-Cognizable case/ असंज्ञेय मामला

Ans [1]

72. The provisions relating to "Prosecution for contempt of lawful authority of public servants, for offences against public justice and for offences relating to documents given in evidence" are provided in - / "लोक न्याय के विरुद्ध अपराधों के लिए और साक्ष्य में दिये गये दस्तावेजों से संबंधित अपराधों के लिए लोक सेवकों के विधिपूर्ण प्राधिकार के अवमान के लिए अभियोजन" संबंधित प्रावधान निहित हैं

(1) Section 195 of the code of Criminal Procedure 1973/ दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 195 में
(2) Section 195A of the code of Criminal Procedure 1973/ दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 195 क में
(3) Section 196 of the code of Criminal Procedure 1973/ दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 196 में
(4) Section 194 of the code of Criminal Procedure 1973/ दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 194 में

Ans [1]

73. In which of the following offence, the court may take cognizance without previous sanction of central government or of State government/ निम्न में

से किस अपराध का संज्ञान, न्यायालय, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना ही, ले सकता है ?

(1) Offence under Section 124 A of the Indian Penal Code 1860./ भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 124- क के अधीन अपराध
(2) Offence under Section 153 A of the Indian Penal Code 1860./ भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 153 - क के अधीन अपराध
(3) Offence under Section 505 (1) of the Indian Penal Code 1860/ भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 505 (1) के अधीन अपराध
(4) Offence under Section 216 A of the Indian Penal Code 1860/ भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 216- क के अधीन अपराध

Ans [4]

74. A Chief Judicial Magistrate may make over the case for inquiry or trial to any competent magistrate subordinate to him, under section 192 of the code of Criminal Procedure 1973 - /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 192 के अन्तर्गत मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मामले को जाँच या विचारण के लिए अपने अधीनस्थ किसी सक्षम मजिस्ट्रेट के हवाले कर सकता है

(1) before taking cognizance of an offence/ अपराध का संज्ञान करने के पहले
(2) after taking cognizance of an offence/ अपराध का संज्ञान करने के पश्चात्
(3) either before or after taking cognizance of an offence/ अपराध का संज्ञान करने के पहले या पश्चात्
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं

Ans [2]

75. A Magistrate taking cognizance of an offence on complaint - /परिवाद पर किसी अपराध का संज्ञान करने वाला मजिस्ट्रेट

(1) shall examine upon oath the complainant and witnesses present there/ परिवादी की और वहाँ उपस्थित साक्षी की शपथ पर परीक्षा करेगा ।
(2) shall examine upon oath the complainant only and not the witness present there/ केवल परिवादी की शपथ पर परीक्षा करेगा, वहाँ उपस्थित साक्षी की नहीं ।
(3) shall examine upon oath witnesses and present only the complainant/ वहाँ उपस्थित केवल साक्षी की शपथ पर परीक्षा करेगा, परिवादी की नहीं ।
(4) shall not examine upon oath the complainant and witnesses present there/ परिवादी और वहाँ उपस्थित साक्षी की शपथ पर परीक्षा नहीं करेगा ।

Ans [1]

76. Section 203 of the code of Criminal Procedure 1973 deals with - /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 203 संबंधित है

(1) examination of complainant/ परिवादी की परीक्षा से
(2) postponement of issue of process/ आदेशिका के जारी किए जाने को मुल्तवी करने से
(3) dismissal of complaint/ परिवाद को खारिज किये जाने से
(4) cognizance of offences by court of session/ अपराधों का सेशन न्यायालयों द्वारा संज्ञान से

Ans [3]

77. In a case instituted on complaint and it is appeared to the Magistrate during inquiry or trial held by him, that an investigation by police is in progress in relation to the same offence, the Magistrate shall - /परिवाद के आधार पर संस्थित मामले में मजिस्ट्रेट द्वारा की जाने वाली जाँच या विचारण के दौरान उसके समक्ष यह प्रकट होता है कि उसी अपराध के संबंध में पुलिस द्वारा अन्वेषण हो रहा है, तब मजिस्ट्रेट-

(1) stay the investigation process/ अन्वेषण प्रक्रिया को रोक देगा
(2) stay the proceeding of such inquiry or trial/ उस जाँच या विचारण की प्रक्रिया को रोक देगा ।
(3) discharge the accused person /अभियुक्त को उन्मोचित कर देगा ।
(4) acquit the accused person /अभियुक्त को दोषमुक्त कर देगा ।

Ans [2]

78. Under which Section of Criminal Procedure Code a case can be committed to the court of session when offence is triable exclusively by it? /दण्ड प्रक्रिया संहिता की किस धारा के अंतर्गत किसी वाद को सत्र न्यायालय को विचारार्थ सुपुर्द किया जा सकता है जब अपराध केवल उसी के द्वारा विचारणीय है ?

(1) Section 207 Cr.P.C. दण्ड प्रक्रिया संहिता धारा 207
(2) Section 208 Cr.P.C. /दण्ड प्रक्रिया संहिता धारा 208
(3) Section 209 Cr.P.C. दण्ड प्रक्रिया संहिता धारा 209
(4) Section 210 Cr.P.C. दण्ड प्रक्रिया संहिता धारा 210

Ans [3]

79. When a complaint is withdrawn under Section 257 of the code of Criminal Procedure 1973, with the permission of Magistrate, the Magistrate shall - / दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 257 के अन्तर्गत यदि मजिस्ट्रेट की अनुज्ञा से परिवाद वापस ले लिया जाता है तो मजिस्ट्रेट

(1) discharge the accused/ अभियुक्त को उन्मोचित कर देगा
(2) acquit the accused / अभियुक्त को दोषमुक्त कर देगा
(3) convict the accused/ अभियुक्त को दोषसिद्ध कर देगा
(4) neither discharge nor acquit the accused / अभियुक्त को न तो उन्मोचित करेगा और न ही दोषमुक्त

Ans [2]

80. Which of the following offence cannot be tried summarily / निम्नलिखित में से कौन से अपराध का संक्षिप्त विचारण नहीं किया जा सकता ?

(1) an offence punishable with imprisonment for a term not exceeding two years./ वह अपराध जो दो वर्ष से अधिक की अवधि के लिए कारावास से दण्डनीय नहीं है
(2) theft, under Section 379 of the Indian Penal Code 1860 where the value of the property stolen does not exceed two thousand rupees/ भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 379 के अधीन चोरी, जहाँ चुराई हुई सम्पत्ति का मूल्य दो हजार रुपये से अधिक नहीं है
(3) offence under Section 456 of the Indian Penal Code 1860/ भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 456 के अधीन कारित अपराध
(4) offence under Section 460 of the Indian Penal Code 1860/ भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 460 के अधीन कारित अपराध

Ans [4]

81. Which of the following persons cannot be charged together - same / निम्नलिखित में से कौन से व्यक्तियों पर एक साथ आरोप नहीं लगाया जा सकता ?
(1) person accused of the offence committed in the course of different transaction./ वे व्यक्ति जिन पर भिन्न संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए एक ही अपराध का अभियोग है ।
(2) person accused of an offence and person accused of abetment of such offence/ वे व्यक्ति जिन पर किसी अपराध का अभियोग है और वे व्यक्ति जिन पर ऐसे अपराध का दुष्प्रेरण करने का अभियोग है
(3) person accused of an offence and person accused of attempt to commit such offence./ वे व्यक्ति जिन पर किसी अपराध का अभियोग है और वे व्यक्ति जिन पर ऐसे अपराध का प्रयत्न करने का अभियोग है
(4) person accused of different offences committed in the same course of transaction/ वे व्यक्ति जिन पर एक ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए भिन्न अपराधों का अभियोग है

Ans [1]

82. Section 306 of the code of Criminal Procedure 1973 deals with - /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 306 संबंधित है
(1) Permission to conduct prosecution/ अभियोजन का संचालन करने की अनुज्ञा से
(2) Local inspection/ स्थानीय निरीक्षण से
(3) Expenses of complainants and witnesses/ परिवादियों और साक्षियों के व्यय से
(4) Tender of pardon to accomplice/ सह - अपराधी को क्षमादान से

Ans [4]

83. Which of the following statement is not true with regard to Section 313 of the code of Criminal Procedure 1973 ? /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 313 के संबंध में कौन सा कथन सत्य नहीं है ?
(1) No oath shall be administered to the accused when he is examined/ जब अभियुक्त की परीक्षा की जाती है तब उसे कोई शपथ नहीं दिलाई जायेगी
(2) The accused shall render himself liable to punishment by giving false answers to questions./ अभियुक्त प्रश्नों का मिथ्या उत्तर देने से दण्डनीय हो जाएगा
(3) In summons case where the court has dispensed with the personal attendance of accused, it may also dispense with his examination/ समन मामले में, जहाँ न्यायालय ने अभियुक्त को वैयक्तिक हाजिरी से अभिमुक्ति दे दी है, वहाँ उसकी परीक्षा से भी अभिमुक्ति दे सकता है
(4) The court may take help of defense counsel in preparing relevant questions/ न्यायालय सुसंगत प्रश्न तैयार करने में प्रतिरक्षा काउंसेल की सहायता ले सकता है

Ans [2]

84. Who does confirm the sentence of death passed by the court of session? /सेशन न्यायालय द्वारा पारित मृत्यु दण्डादेश को कौन पुष्ट करता है ?
(1) High Court/ उच्च न्यायालय
(2) Supreme Court/ उच्चतम न्यायालय
(3) Governor of State/ राज्य का राज्यपाल
(4) President of India/ भारत का राष्ट्रपति

Ans [1]

85. Which of the following procedure is followed in summary trial? /संक्षिप्त विचारण में निम्न में से कौन सी प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है ?
(1) procedure of trial before a court of session. / सेशन न्यायालय के समक्ष विचारण की प्रक्रिया
(2) procedure of trial of warrant cases instituted on police report./ पुलिस रिपोर्ट पर संस्थित वारण्ट मामलों की विचारण प्रक्रिया
(3) procedure of trial of summons case./ समन मामलों की विचारण प्रक्रिया
(4) procedure of trial of warrant cases instituted otherwise than a police report./ पुलिस रिपोर्ट से भिन्न आधार पर संस्थित वारण्ट मामलों की विचारण प्रक्रिया

Ans [3]

86. Which of the following offence can be compounded without the permission of the court ? /निम्नलिखित में से किस अपराध का शमन न्यायालय की अनुज्ञा के बिना किया जा सकता है ?
(1) voluntarily causing hurt under Section 323 of the Indian Penal Code 1860./ भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 323 के अधीन स्वेच्छया उपहति कारित करना ।
(2) Causing miscarriage under Section 312 of the Indian Penal Code 1860/ भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 312 के अधीन गर्भपात कारित करना

(3) Criminal breach of trust under Section 406 of the Indian Penal Code 1860./ भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 406 के अधीन आपराधिक न्यासभंग ।
(4) Voluntarily causing grievous hurt under Section 325 of the Indian Penal Code 1860./ भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 325 के अधीन स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना

Ans [1]

87. The composition of an offence under Section 320 of the code of Criminal Procedure 1973 shall have the effect of - /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 320 के अन्तर्गत अपराध के शमन का प्रभाव होगा
(1) discharge of the accused/ अभियुक्त का उन्मोचन
(2) acquittal of the accused/ अभियुक्त की दोषमुक्ति
(3) conviction of the accused/ अभियुक्त की दोषसिद्धि
(4) None of these/ इनमें से कोई नहीं

Ans [2]

88. When a Magistrate cannot pass sentence sufficiently, he may under Section 325 of the code of Criminal Procedure 1973, submit the proceeding and forward the accused to ---------- / जब मजिस्ट्रेट पर्याप्त कठोर दण्ड का आदेश नहीं दे सकता है, तो वह दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 325 के अन्तर्गत कार्यवाही एवं अभियुक्त को भेज सकता है –
(1) High Court/ उच्च न्यायालय को
(2) Session Judge/ सेशन न्यायाधीश को
(3) Additional Session Judge/ अपर सेशन न्यायाधीश को
(4) Chief Judicial Magistrate / मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को

Ans [4]

89. Chapter XXIX of the code of Criminal Procedure 1973 deals with - /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 का अध्याय XXIX संबंधित है
(1) The Judgement/ निर्णय से
(2) Reference and Review/ निर्देश और पुनरीक्षण से
(3) Appeals/ अपील से
(4) Transfer of Criminal cases/ आपराधिक मामलों के अन्तरण से

Ans [3]

90. Any person convicted on a trial held by an Additional Session Judge may appeal to the -/कोई व्यक्ति जो अपर सेशन न्यायाधीश द्वारा किये गये विचारण में दोषसिद्ध किया गया है, अपील कर सकता है
(1) High Court/ उच्च न्यायालय में
(2) Court of Session/ सेशन न्यायालय में
(3) Supreme Court/ उच्चतम न्यायालय में
(4) State Government/ राज्य सरकार को

Ans [1]

91. A pending case is referred for opinion under Section 395 of the code of Criminal Procedure 1973 to the - / दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 395 के अन्तर्गत किसी लम्बित मामले को राय के लिए भेजा जाता है
(1) Supreme Court/ उच्चतम न्यायालय को
(2) High Court/ उच्च न्यायालय को
(3) Court of Session/ सेशन न्यायालय को
(4) Chief Judicial Magistrate/ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को

Ans [2]

92. Which of the following case cannot be considered as petty case for the purpose of appeal under Section 376 of the code of Criminal Procedure 1973 ? /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 376 के अन्तर्गत अपील के उद्देश्य से कौन सा मामला छोटा मामला नहीं समझा जायेगा ?
(1) where a High Court passes a sentence of imprisonment for a term not exceeding six months./ जहाँ उच्च न्यायालय छः मास से अनधिक की अवधि के लिए कारावास का दण्डादेश पारित करता है ।
(2) where a court of session passes a sentence of imprisonment for a term not exceeding three months/ जहाँ सेशन न्यायालय तीन मास से अनधिक की अवधि के लिए कारावास का दण्डादेश पारित करता है
(3) where a Magistrate of first class passes a sentence of imprisonment for a term not exceeding one month./ जहाँ प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट एक मास से अनधिक की अवधि के लिए कारावास का दण्डादेश पारित करता है
(4) where a Metropolitan Magistrate passes a sentence of imprisonment for a term not exceeding three months/ जहाँ महानगर मजिस्ट्रेट तीन मास से अनधिक की अवधि के लिए कारावास का दण्डादेश पारित करता है

Ans [3]

93. Whenever any person causes a police officer to arrest another person, if it is appeared to the Magistrate by whom the case is heard that there was no sufficient ground of causing such arrest, the magistrate may award compensation - /जब कभी कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति को पुलिस अधिकारी से गिरफ्तार करवाता है, तब यदि उस मजिस्ट्रेट को जिसके द्वारा यह मामला सुना जाता है, यह प्रतीत होता है कि ऐसी गिरफ्तारी करवाने का कोई पर्याप्त आधार नहीं था, वह मजिस्ट्रेट प्रतिकर दिलवा सकता है
(1) not exceeding one lakh rupees/ एक लाख रुपये से अनधिक
(2) not exceeding ten thousand rupees/ दस हजार रुपये से अनधिक
(3) not exceeding five thousand rupees/ पाँच हजार रुपये से अनधिक
(4) not exceeding one thousand rupees/ एक हजार रुपये से अनधिक

Ans [4]

94. Which of the following fact cannot be considered by a Magistrate in case of release of offender after due admonition?/अपराधी को भर्त्सना के पश्चात् छोड़ने के मामले में मजिस्ट्रेट द्वारा निम्न में से किस तथ्य पर विचार नहीं किया जा सकता?
(1) age of the offender/ अपराधी की आयु
(2) character of the offender/ अपराधी का शील
(3) financial condition of the offender/ अपराधी की वित्तीय स्थिति
(4) trivial nature of the offence/ अपराध की तुच्छ प्रकृति

Ans [3]

95. Where any person has reason to believe that he may be arrested on accusation of having committed a, ---------- he may apply for anticipatory bail. /जब किसी व्यक्ति को यह विश्वास करने का कारण है कि हो सकता है उसको किसी ---------- के किए जाने के अभियोग में गिरफ्तार किया जाए, तो वह अग्रिम जमानत के लिए आवेदन कर सकता है ।
(1) compoundable offence/ शमनीय अपराध
(2) non-cognizable offence/ असंज्ञेय अपराध
(3) bailable offence/ जमानतीय अपराध
(4) non-bailable offence/ अजमानतीय अपराध

Ans [4]

96. If a woman sentenced to death is found to be pregnant, the High Court shall - /यदि वह स्त्री, जिसे मृत्यु दण्डादेश दिया गया है, गर्भवती पाई जाती है तो उच्च न्यायालय
(1) order the execution of the sentence to be postponed/ दण्डादेश के निष्पादन को मुल्तवी करने का आदेश देगा ।
(2) commute the sentence to imprisonment of life/ दण्डादेश का आजीवन कारावास के रूप में लघुकरण करेगा
(3) commute the sentence to imprisonment for a term of ten years./ दण्डादेश का दस वर्ष की अवधि के कारावास के रूप में लघुकरण करेगा
(4) acquit the pregnant woman/ गर्भवती महिला को दोषमुक्त कर देगा

Ans [2]

97. Which of the following section of the code of Criminal Procedure 1973 deals with inherent power of High Court? /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की कौन सी धारा उच्च न्यायालय की अन्तर्निहित शक्ति से संबंधित है ?
(1) Section 481/ धारा
(2) Section 482/ धारा
(3) Section 483/ धारा
(4) Section 484 / धारा

Ans [2]

98. If an offence is punishable with fine only, the period of limitation shall be –/ यदि कोई अपराध केवल जुर्माने से दण्डनीय है तो परिसीमा काल होगा
(1) three months/ तीन महीने
(2) six months/ छ: महीने
(3) one year/ एक वर्ष
(4) three years/ तीन वर्ष

Ans [2]

99. Which of the following irregularity is not covered under Section 460 of the code of Criminal Procedure 1973 ? /निम्नलिखित में से कौन सी अनियमितता दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 460 में सम्मिलित नहीं है ?
(1) to issue a search warrant under Section 94 of the code of Criminal Procedure 1973/ दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 94 के अधीन तलाशी वारण्ट जारी करना
(2) to hold an inquest under Section 176 of the code of Criminal Procedure 1973/ दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 176 के अधीन मृत्यु समीक्षा करना
(3) to attach and sell property under Section 83 of the code of Criminal Procedure 1973/ दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 83 के अधीन सम्पत्ति को कुर्क करना और उसका विक्रय करना
(4) to tender a pardon under Section. 306 of the code of Criminal Procedure 1973./ दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 306 के अधीन क्षमादान करना

Ans [3]

100. Who may be directed to give specimen signature under Section 311 A of the code of Criminal Procedure 1973? / दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 311- क के अन्तर्गत किसे नमूना हस्ताक्षर देने के लिए निर्देशित किया जा सकता है?
(1) any person including accused person/ किसी भी व्यक्ति को जिसमें अभियुक्त भी शामिल है ।
(2) only accused person/ केवल अभियुक्त को
(3) only victim/ केवल पीड़ित व्यक्ति को
(4) only witness/ केवल साक्षी को

Ans [1]

101 An appeal under Section 374 of the code of Criminal Procedure 1973 is filed by - /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 374 के अधीन अपील की जाती है.
(1) Convicted person/ दोषसिद्ध व्यक्ति द्वारा
(2) Public prosecutor/ लोक अभियोजक द्वारा
(3) District Magistrate/ जिला मजिस्ट्रेट द्वारा
(4) State Government/ राज्य सरकार द्वारा

Ans [1]

102. Which of the following statement is not true with regard to Section 106 of the code of Criminal

Procedure 1973 ? /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 106 के संबंध में कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

(1) bond may be executed only on the conviction of the accused/ बन्धपत्र का निष्पादन केवल अभियुक्त के दोषसिद्ध होने पर ही किया जा सकता है ।
(2) If the conviction is set aside on appeal, the bond so executed shall become void/ यदि दोषसिद्धि अपील पर अपास्त कर दी जाती है तो बन्धपत्र, जो निष्पादित किया गया था, शून्य हो जाएगा
(3) An order for execution of bond may be passed by court of session or court of Magistrate of first class/ बन्धपत्र के निष्पादन का आदेश सेशन न्यायालय या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के न्यायालय द्वारा दिया जा सकता है ।
(4) An order for execution of bond cannot be made by Appellate/ बन्धपत्र निष्पादित करने का आदेश अपीलीय न्यायालय द्वारा नहीं दिया जा सकता ।

Ans [4]

103. Who has the power to prohibit carrying. arms in procession or mass drill or mass training with arms? / आयुध सहित जुलूस या सामूहिक कवायद या सामूहिक प्रशिक्षण के प्रतिषेध की शक्ति किसके पास है ?

(1) Court of session/ सेशन न्यायालय के पास
(2) District Magistrate/ जिला मजिस्ट्रेट के पास
(3) Chief Judicial Magistrate/ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के पास
(4) Magistrate of first class/ प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के पास

Ans [2]

104. Special power regarding bail, under Section 439 of the code of Criminal Procedure 1973, is conferred on - /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 439 के अधीन जमानत से संबंधित विशेष शक्तियाँ निहित हैं

(1) only Supreme Court/ केवल उच्चतम न्यायालय को
(2) only High Court/ केवल उच्च न्यायालय को
(3) only Court of Session/ केवल सेशन न्यायालय को
(4) both High court and Court of session/ उच्च न्यायालय एवं सेशन न्यायालय दोनों

Ans [4]

105. A person shall be eligible to be appointed as a deputy director of prosecution only if he has been in practice as an advocate for - /कोई व्यक्ति उप-अभियोजन निदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए केवल तभी पात्र होगा, यदि वह अधिवक्ता के रूप में व्यवसाय कर रहा है

(1) not less than ten years/ दस वर्ष से कम नहीं
(2) not less than seven years/ सात वर्ष से कम नहीं
(3) not less than five years/ पाँच वर्ष से कम नहीं
(4) not less than two years/ दो वर्ष से कम नहीं

Ans [1]

106. Which of the following statement is not true with regard to Plea bargaining? /अभिवाक् सौदेबाजी के संबंध में निम्न में से कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

(1) It does not apply where offence. has been committed against woman./ यह वहाँ लागू नहीं होता जहाँ अपराध किसी स्त्री के विरुद्ध कारित किया गया है ।
(2) It does not apply where offence has been committed against a child below the age of fourteen years/ यह वहाँ लागू नहीं होता जहाँ अपराध चौदह वर्ष से कम आयु के बच्चे के विरुद्ध कारित किया गया है
(3) The court shall not deliver its judgment in the open court/ न्यायालय अपना निर्णय खुले न्यायालय में नहीं सुनाएगा ।
(4) The statement made by the accused in an application for plea bargaining shall not be used for any other purpose/ अभिवाक् सौदेबाजी के लिए आवेदन में अभियुक्त द्वारा दिया गया अभिकथन का किसी अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा

Ans [3]

107. Who shall cause the sentence to be carried into effect when a sentence of death is passed by the High Court in appeal ? /जब अपील में उच्च न्यायालय द्वारा मृत्यु दण्डादेश दिया जाता है तो उक्त दण्डादेश को क्रियान्वित कौन कराएगा ?

(1) State Government/ राज्य सरकार
(2) Court of Session/ सेशन न्यायालय
(3) District Magistrate/ जिला मजिस्ट्रेट
(4) Magistrate of first class/ प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट

Ans [2]

108. In which of the following Section of the code of Criminal Procedure 1973, a police officer has a power to arrest in a cognizable offence? /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की कौन सी धारा में पुलिस के पास संज्ञेय अपराध के अंतर्गत गिरफ्तार करने की शक्ति है?

(1) Section 149/ धारा
(2) Section 150/ धारा
(3) Section 151/ धारा
(4) Section 152/ धारा

Ans [3]

109. Section 41 of the code of Criminal Procedure 1973 deals with /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 41 से संबंधित है

(1) when police may arrest without warrant/ पुलिस वारण्ट के बिना कब गिरफ्तार कर सकेगी
(2) arrest on refusal to give name and residence/ नाम और निवास बताने से इन्कार करने पर गिरफ्तारी
(3) arrest by private person/ प्राइवेट व्यक्ति द्वारा गिरफ्तारी
(4) arrest by Magistrate/ मजिस्ट्रेट द्वारा गिरफ्तारी

Ans [1]

110. In every trial before a court of session, the prosecution shall be conducted by - /सेशन न्यायालय के समक्ष प्रत्येक विचारण में, अभियोजन का संचालन किया जाएगा
(1) the court itself/ स्वयं न्यायालय द्वारा
(2) the public prosecutor/ लोक अभियोजक द्वारा
(3) the accused/ अभियुक्त द्वारा
(4) the witness/ साक्षी द्वारा

Ans [2]

111. Who has the power to commute a sentence under Section 433 of the code of Criminal Procedure 1973 ? /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 433 के अधीन दण्डादेश के लघुकरण की शक्ति किसके पास है ?
(1) President of India/ भारत के राष्ट्रपति के पास
(2) High Court/ उच्च न्यायालय के पास
(3) Appropriate Government/ समुचित सरकार के पास
(4) Supreme Court/ उच्चतम न्यायालय के पास

Ans [3]

112. A special Judicial Magistrate is appointed for a term ---------- at a time / विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट एक समय में ---------- की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है ।
(1) not exceeding one year at a time/ एक वर्ष से अनधिक
(2) not exceeding two years/ दो वर्ष से अनधिक
(3) not exceeding five years/ पाँच वर्ष से अनधिक
(4) not exceeding seven years/ सात वर्ष से अनधिक

Ans [1]

113. Section 55A was inserted in the code of Criminal Procedure 1973 by - दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 में धारा 55- क को अन्तर्विष्ट किया गया
(1) Act 25 of 2005/2005 के अधिनियम 25 द्वारा
(2) Act 41 of 2010/2010 के अधिनियम 41 द्वारा
(3) Act 45 of 1978/1978 के अधिनियम 45 द्वारा
(4) Act 5 of 2009/2009 के अधिनियम 5 द्वारा

Ans [4]

114. Which of the following has duty to exercise continuous superintendence over courts of Judicial Magistrate? / न्यायिक मजिस्ट्रेटों के न्यायालय पर अधीक्षण का निरन्तर प्रयोग करने का कर्तव्य निम्न में से किसका है ?
(1) District Magistrate/ जिला मजिस्ट्रेट का
(2) Governor of State/ राज्य के राज्यपाल का
(3) Court of Session/ सेशन न्यायालय का
(4) High Court/ उच्च न्यायालय का

Ans [4]

115. The provisions regarding abatement of appeals are contained in -------- of the code of Criminal Procedure 1973. /अपीलों के उपशमन संबंधित प्रावधान दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की -------- में निहित हैं ।
(1) Section 391/ धारा
(2) Section 392/ धारा
(3) Section 393/ धारा
(4) Section 394/ धारा

Ans [4]

116. When a warrant is to be executed outside the local jurisdiction of the court issuing it, such court may forward it to - /जब वारण्ट का निष्पादन उसे जारी करने वाले न्यायालय की स्थानीय अधिकारिता के बाहर किया जाना है तब वह न्यायालय ऐसा वारण्ट भेज सकता है
(1) Executive Magistrate in whose jurisdiction, it is to be executed/ कार्यपालक मजिस्ट्रेट को जिसकी अधिकारिता के अन्दर उसका निष्पादन किया जाना है ।
(2) District Superintendent of Police in whose jurisdiction it is to be executed/ जिला पुलिस अधीक्षक को जिसकी अधिकारिता के अन्दर उसका निष्पादन किया जाना है ।
(3) Commissioner of police in whose jurisdiction it is to be executed./ पुलिस आयुक्त को जिसकी अधिकारिता के अन्दर उसका निष्पादन किया जाना है ।
(4) Any of these/ इनमें से किसी को भी ।

Ans [4]

117. Under the code of Criminal Procedure 1973 where a surety to a bond dies before the bond is forfeited- /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अधीन यदि बन्धपत्र के लिए कोई प्रतिभू बन्धपत्र का समपहरण होने से पूर्व मर जाता है, तो
(1) his estate shall not be discharged from liability in respect of bond/ उसकी सम्पदा बन्धपत्र के बारे में दायित्व से उन्मोचित नहीं होगी
(2) his estate shall be discharged from liability in respect of bond/ उसकी सम्पदा बन्धपत्र के बारे में दायित्व से उन्मोचित हो जायेगी
(3) his legal representative shall become liable in respect of bond./ उसके विधिक प्रतिनिधि बन्धपत्र के बारे में दायी हो जायेंगे
(4) estate of his legal representative shall become liable in respect of bond/ उसके विधिक प्रतिनिधि की सम्पदा बन्धपत्र के बारे में दायी हो जायेगी

Ans [2]

118. A case relating to an offence punishable with death, imprisonment for life or imprisonment for a term exceeding two years, is known as /ऐसा मामला जो मृत्यु, आजीवन कारावास या दो वर्ष से अधिक की अवधि के कारावास से दण्डनीय है, कहलाता है
(1) summons case/ समन मामला
(2) warrant case/ वारण्ट मामला
(3) cognizable case/ संज्ञेय मामला
(4) non-cognizable case/ असंज्ञेय मामला

Ans [2]

119. Which of the following has a power to withdraw a case under Section 409 of the code of Criminal Procedure 1973 ? /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 409 के अन्तर्गत निम्न में से किसके पास मामले को वापस लेने की शक्ति है ?
(1) Supreme Court/ उच्चतम न्यायालय
(2) High Court/ उच्च न्यायालय
(3) Court of Session/ सेशन न्यायालय
(4) Judicial Magistrate/ न्यायिक मजिस्ट्रेट

Ans [3]

120. When the prisoner is to be confined in a jail, the warrant shall be lodged with –/जब बन्दी जेल में परिरुद्ध किया जाना है, तब वारण्ट सौंपा जाएगा
(1) Jailor/ जेलर को
(2) Public prosecutor/ लोक अभियोजक को
(3) Office of court / न्यायालय के अधिकारी को
(4) District Magistrate/ जिला मजिस्ट्रेट को

Ans [1]

121. Section 437 of the code of Criminal Procedure 1973 deals with - /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 437 संबंधित है
(1) bail in case of bailable offence/ जमानतीय अपराध के मामले में जमानत से
(2) bail in case of non-bailable offence/ अजमानतीय अपराध के मामले में जमानत से
(3) anticipatory bail/ अग्रिम जमानत से
(4) bail in case of compoundable offence/ शमनीय अपराध के मामले में जमानत से

Ans [2]

122. Who may serve summons under the code of Criminal Procedure 1973 ? /दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अधीन समन की तालीम कौन कर सकता है ?
(1) police officer/ पुलिस अधिकारी
(2) officer of court/ न्यायालय का अधिकारी
(3) public servant/ लोक सेवक
(4) Any of these/ इनमें से कोई भी

Ans [4]

123. Section 2(17) of the Code of Civil Procedure, 1908 defines public officer which includes - /सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 2 (17) लोक अधिकारी को परिभाषित करती है जिसमें सम्मिलित है :
(1) Government servant/ सरकारी सेवक
(2) Commissioned officer of military/ सेना का कमीशण्ड ऑफिसर
(3) Every Judge/ प्रत्येक न्यायाधीश
(4) All of these/ ये सभी

Ans [4]

124. Court of small cause is subordinate to/ लघुवाद न्यायालय किस न्यायालय के अधीनस्थ है ?
(1) only High Court /केवल उच्च न्यायालय के
(2) only District Court/ केवल जिला न्यायालय के
(3) both High Court and District Court /उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालय दोनों के
(4) only Revenue Court /राजस्व न्यायालय के

Ans [3]

125. Mesne profit can be claimed regarding /अन्तःकालीन लाभ का दावा किया जा सकता है
(1) movable property only/ केवल चल सम्पत्ति के संबंध में
(2) immovable property only/ केवल स्थावर सम्पत्ति के संबंध में
(3) both movable and immovable property/ चल एवं स्थावर दोनों सम्पत्ति के संबंध में
(4) intellectual property only/ बौद्धिक सम्पत्ति के संबंध में

Ans [2]

126. Which of the following suit is not maintainable under Section 9 of the Code of Civil Procedure, 1908 ? /सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 9 के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौन सा वाद पोषणीय नहीं है ?
(1) Suit for specific relief / विनिर्दिष्ट अनुतोष के लिए वाद
(2) Suit relating to right to worship/ पूजा करने के अधिकार से संबंधित वाद
(3) Suit relating to taking out of religions procession./ धार्मिक जुलूस निकालने से संबंधित वाद
(4) Suit based on purely religious rights/ पूर्णतः धार्मिक अधिकार पर आधारित वाद

Ans [4]

127. Which of the following order is not amounting to decree? निम्नलिखित में से कौन सा आदेश डिक्री नहीं है ?
(1) An order dismissing cross objection/ प्रत्याक्षेप खारिज करने का आदेश
(2) An order of abatement of a suit/ वाद के उपशमन का आदेश
(3) An order rejecting a plaint/ वाद-पत्र नामंजूर करने का आदेश
(4) An order appointing a commissioner/ कमिश्नर नियुक्त करने का आदेश

Ans [4]

128. "Every suit shall be instituted in the court of the lowest grade competent to try it." Such provision is related to /" हर वाद उस निम्नतम श्रेणी के न्यायालय में संस्थित किया जायेगा जो उसका विचारण करने के लिए सक्षम है।" उक्त प्रावधान संबंधित है
(1) Territorial Jurisdiction/ प्रादेशिक क्षेत्राधिकार से
(2) Pecuniary Jurisdiction/ धन संबंधी क्षेत्राधिकार से

(3) Jurisdiction as to subject matter/ विषय-वस्तु संबंधित क्षेत्राधिकार से
(4) Appellate Jurisdiction/ अपीलीय क्षेत्राधिकार से

Ans [2]

129. Which of the following power is not granted to the High Court under Section 24 of the Code of Civil Procedure, 1908 ? /सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 24 के अन्तर्गत निम्न में से कौन सी शक्ति उच्च न्यायालय को निहित नहीं है ?

(1) Power to transfer a suit pending before it for trial to any court subordinate to it and competent to try/ किसी वाद को जो उसके सामने विचारण के लिए लंबित है, अपने अधीनस्थ किसी ऐसे न्यायालय को अन्तरित करने की शक्ति जो उसका विचारण करने के लिए सक्षम हैं ।
(2) Power to withdraw any suit pending in subordinate court and try of the same/ अधीनस्थ न्यायालय में लंबित किसी वाद को प्रत्याहरण करने एवं उसका विचारण करने की शक्ति
(3) Power to transfer a suit pending before it for trial to other High Court/ किसी ऐसे वाद को जो उसके सामने विचारण के लिए लम्बित है, उसे किसी अन्य उच्च न्यायालय में अन्तरित करने की शक्ति
(4) Power to transfer a suit from a court which has no jurisdiction to try it/ किसी वाद को उस न्यायालय से अन्तरित करने की शक्ति, जिसे उसका विचारण करने की अधिकारिता नहीं है ।

Ans [3]

130. The pendency of a suit in --------- does not preclude the courts in India from trying a suit founded on the same cause of action. / -------- में किसी वाद का लम्बित होना, उसी वाद हेतुक पर आधारित किसी वाद का विचारण करने से भारत में / के न्यायालयों को प्रवरित नहीं करता ।

(1) District Court/ जिला न्यायालय
(2) High Court/ उच्च न्यायालय
(3) Foreign Court/ विदेशी न्यायालय
(4) Supreme Court/ उच्चतम न्यायालय

Ans [3]

131. Which of the following is not a content/ निम्नलिखित में से कौन सी डिक्री की अन्तर्वस्तु नहीं है ?

(1) Detail statement of the case/ मामले का विस्तृत कथन
(2) Particulars of claim/ दावे की विशिष्टियाँ
(3) Relief granted to the parties/ पक्षकारों को अनुदत अनुतोष
(4) Relief amount of costs incurred in the suit next after notice in writing has been delivered/ वाद में उपगत खर्चों की रकम

Ans [1]

132. Part - IV of the Code of Civil Procedure, 1908 deals with /सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 का भाग IV संबंधित है

(1) execution/ निष्पादन से
(2) incidental proceedings/ आनुषंगिक कार्यवाहियों से
(3) suits in particular cases/ विशिष्ट मामलों में वाद से
(4) special proceedings/ विशेष कार्यवाहियों से

Ans [3]

133. In the case of suit against the Centeral Government, where it relates railway, a prior notice in writing is required to be delivered to /केन्द्रीय सरकार के विरुद्ध वाद की दशा में, जहाँ वह रेल से संबंधित हो, पूर्व लिखित सूचना परिदत्त करने की आवश्यकता होती है

(1) Secretary to Central Government/ केन्द्रीय सरकार के सचिव को
(2) General Manager of Railway/ रेल के प्रधान प्रबन्धक को
(3) Minister of Railway/ रेल मंत्री को
(4) Minister of Home Affairs/ गृह मंत्री को

Ans [2]

134. No suit shall be instituted against a public officer in respect of any act done in his official capacity, until the expiration of------- next after notice in writing has been delivered / ऐसे कार्य की बाबत जो कि लोक अधिकारी द्वारा अपनी पदीय हैसियत में किया गया हैं, लोक अधिकारी के विरुद्ध कोई वाद तब तक संस्थित नहीं किया जाएगा जब तक कि लिखित सूचना परिदत्त किये जाने के पश्चात् ------ अवसान न हो गया हो।

(1) two weeks/ दो सप्ताह
(2) two months/ दो माह
(3) six weeks /छ: सप्ताह
(4) six months/ छ: माह

Ans [2]

135 Which of the following court has power to transfer an appeal under Section 25 of the Code of Civil Procedure, 1908 ? / सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 की धारा 25 के अन्तर्गत निम्न में से किस न्यायालय को अपील के अन्तरण की शक्ति निहित है ?

(1) Supreme Court/ उच्चतम न्यायालय को
(2) High Court/ उच्च न्यायालय को
(3) District Court/ जिला न्यायालय को
(4) Court of Small Causes/ लघुवाद न्यायालय को

Ans [1]

136. Which of the following privilege is not given to the public officer in a suit instituted against a public officer in respect of any act done by him in his official capacity ? /लोक अधिकारी के विरुद्ध ऐसे कार्य के बाबत जो कि उसकी पदीय हैसियत में किया गया है, के वाद में लोक अधिकारी को कौन सा विशेषाधिकार नहीं दिया गया है ?

(1) He shall not be liable to arrest./ उस पर गिरफ्तार होने का दायित्व नहीं होगा
(2) He may be exempted from appearing in person./ उसे स्वीय उपसंजाति से छूट दी जा सकती है ।

(3) The Government shall be joined as a party to the suit./ सरकार को पक्षकार के रूप में संयोजित किया जायेगा
(4) His property shall not be liable to attachment in execution of a decree./ डिक्री के निष्पादन में उसकी संपत्ति पर कुर्क किये जाने का दायित्व नहीं होगा ।

Ans [4]

137. In a decree passed against public officer: in respect of any act done by him in official capacity, the execution shall not be issued unless it remains unsatisfied for the period of --------- computed from the date of such decree. /लोक अधिकारी के विरुद्ध ऐसे कार्य के बाबत जो कि उसकी पदीय हैसियत में किया गया है, के वाद में पारित डिक्री की तारीख से संगणित ------ की अवधि तक उस डिक्री के तुष्ट न होने पर ही डिक्री के निष्पादन का आदेश निकाला जाएगा।
(1) three days/ तीन दिवस
(2) three weeks/ तीन सप्ताह
(3) three months/ तीन मास
(4) three years/ तीन वर्ष

Ans [3]

138. In a suit to obtain an urgent or immediate relief against Government or public officer for act done in his official capacity, if the court is satisfied. after hearing the parties that no urgent. or immediate relief need to be granted in suit, the court shall / अत्यावश्यक या तुरन्त अनुतोष अभिप्राप्त करने के लिए सरकार के विरुद्ध या लोक अधिकारी के विरुद्ध ऐसे कार्य के बाबत जो कि उसकी पदीय हैसियत में किया गया है, के वाद में यदि न्यायालय पक्षकारों की सुनवाई के बाद संतुष्ट हो जाए कि अत्यावश्यक या तुरन्त अनुतोष देने की आवश्यकता नहीं है, तो न्यायालय
(1) reject the plaint/ वाद - पत्र नामंजूर कर देगा ।
(2) pass a decree in favour of that government or public officer/ उस सरकार या लोक अधिकारी के पक्ष में डिक्री पारित कर देगा ।
(3) return the plaint for presentation after complying with requirements./ वाद - पत्र वापस कर देगा कि अपेक्षाओं का पालन करने के पश्चात् प्रस्तुत किया जाए ।
(4) impose penalty upon plaintiff/ वादी पर शास्ति अधिरोपित कर देगा ।

Ans [3]

139. Order XXVII of the Code of Civil Procedure, 1908 deals with / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 का आदेश XXVII संबंधित है
(1) Suits by or against the Government or Public officer in their official capacity/ सरकार द्वारा या उसके विरुद्ध या अपनी पदीय हैसियत में लोक अधिकारियों द्वारा या उनके विरुद्ध वाद से
(2) Summary procedure/ संक्षिप्त प्रक्रिया से
(3) Adjustments/ स्थगन से
(4) Death, Marriage and Insolvency of parties/ पक्षकारों की मृत्यु, उनका विवाह और दिवाला से

Ans [1]

140. On which of the following ground the court shall return a plaint? / निम्नलिखित में से किस आधार पर न्यायालय वाद-पत्र को लौटा देगा ?
(1) The plaint does not disclose a cause of action/ वाद - पत्र वाद हेतुक प्रकट नहीं करता है ।
(2) The plaint is not filed in duplicate/ वाद - पत्र दो प्रतियों में प्रस्तुत नहीं किया जाता है ।
(3) The suit, appears from the statement in the plaint to be barred by law/ वाद-पत्र के कथन से यह प्रतीत होता है कि वाद किसी विधि द्वारा वर्जित है ।
(4) The plaint to be presented to the court in which the suit should have been instituted/ वाद - पत्र उस न्यायालय में प्रस्तुत किया जाना चाहिए जिसमें वाद संस्थित किया जाना चाहिए था ।

Ans [4]

141. Which of the following statement is not true with regard to the Code of Civil Procedure ? /सिविल प्रक्रिया संहिता के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है ?
(1) Before 1859, there was no uniform code of Civil Procedure./ सन् 1859 से पहले कोई समान सिविल प्रक्रिया संहिता नहीं थी ।
(2) The Code of Civil Procedure, 1908 came into force with effect from January 01, 1909./ सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 दिनांक 01 जनवरी, 1909 को लागू हुई ।
(3) The Code of Civil Procedure, 1908 has retrospective effect./ सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 का पूर्वव्यापी प्रभाव है ।
(4) The first schedule of the Code of Civil Procedure, 1908 comprises 51 orders./ सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की पहली अनुसूची में 51 आदेश हैं ।

Ans [3]

142. Which of the following cannot institute a suit in Indian Courts ? / निम्नलिखित में से कौन भारतीय न्यायालय में वाद संस्थित नहीं कर सकता ?
(1) Citizen of India/ भारतीय नागरिक
(2) Alien friend/ अन्य देशीय मित्र
(3) Alien enemy residing in India. without permission of Central Government/ अन्य देशीय शत्रु जो केन्द्रीय सरकार की बिना अनुज्ञा भारत में निवास कर रहा हो ।
(4) A Foreign State/ विदेशी राज्य

Ans [3]

143. Where a suit has been duly instituted a from the date of summons may be issued to the defendant to appear and answer the claim and may be served on

such day not beyond institution of suit. /जहाँ कोई वाद सम्यक् रूप से संस्थित किया जा चुका है, वहाँ उपसंजात होने और दावे का उत्तर देने के लिए समन प्रतिवादी के नाम निकाला जा सकेगा और उसकी तामील, ऐसे दिन को जो वाद के संस्थापन की तारीख से से बाद का ना हो, की जा सकेगी ।

(1) thirty days/ तीस दिन
(2) sixty days/ साठ दिन
(3) ten days/ दस दिन
(4) twenty days /बीस दिन

Ans [1]

144. Which one of the following penalty cannot be imposed by the court to compel the attendance of any person to whom a summons has been issued under Section 30 of the Code of Civil Procedure, 1908 ? /न्यायालय, किसी ऐसे व्यक्ति को जिसके नाम सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 30 के अधीन समन निकाला गया है, को हाजिर होने के लिए विवश करने बाबत निम्न में से कौन सी शास्ति अधिरोपित नहीं कर सकता ?

(1) Issue a warrant for his arrest/ उसकी गिरफ्तारी के लिए वारण्ट निकालना ।
(2) Attach and sell his property/ उसकी सम्पत्ति को कुर्क एवं विक्रय करना ।
(3) Impose a fine upon him exceeding five thousand rupees/ उसके ऊपर पाँच हजार रुपये से अधिक जुर्माना अधिरोपित करना ।
(4) Order him to furnish security for his appearance/ उसकी उपसंजाति के लिए प्रतिभूति का आदेश देना

Ans [3]

145. On which of the following ground a suit may be defeated? /निम्नलिखित में से किस आधार पर वाद विफल हो सकता है ?

(1) Mis-joinder of Necessary parties/ आवश्यक पक्षकारों के कुसंयोजन पर
(2) Mis-joinder of Proper parties/ उचित पक्षकारों के कुसंयोजन पर
(3) Non-joinder of Proper parties/ उचित पक्षकारों के असंयोजन पर
(4) Non-joinder of Necessary parties/ आवश्यक पक्षकारों के असंयोजन पर

Ans [4]

146. Statement : A minor can be a legal representative of decreased person.
कथन : एक अवयस्क किसी मृत व्यक्ति का विधिक प्रतिनिधि हो सकता है।
Explanation : But in any legal proceedings, minor must be represented by his next friend or guardian.
व्याख्या : लेकिन किसी विधिक प्रक्रिया में अवयस्क का प्रतिनिधित्व वाद- मित्र या संरक्षक द्वारा किया जाना चाहिए

(1) Statement is true but explanation is false/कथन सत्य है, लेकिन व्याख्या असत्य है।
(2) Statement is false but explanation is true/ कथन असत्य है, लेकिन व्याख्या सत्य है।
(3) Both the statement explanation are false/ कथन एवं व्याख्या दोनों असत्य हैं।
(4) Both the statement explanation are true/ कथन एवं व्याख्या दोनों सत्य हैं ।

Ans [4]

147. Which of the following statement is not true with regard to set-off, claimed by defendant? / प्रतिवादी द्वारा किये जाने वाले मुजरा के संबंध में निम्न में से कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

(1) The suit must be for recovery of money./ वाद धन की वसूली के लिए होना चाहिए ।
(2) The sum of money must be ascertained/ धन की राशि अभिनिश्चित होनी चाहिए ।
(3) The sum of money must not exceed the limits of pecuniary jurisdiction of the court./ धनराशि न्यायालय की अधिकारिता की धन संबंधी सीमाओं से अनधिक होनी चाहिए ।
(4) The sum of money must be recoverable by any defendant, if more than one/ अगर एक से ज्यादा प्रतिवादी हों, तो धनराशि किसी भी प्रतिवादी द्वारा वसूल करने योग्य होनी चाहिए ।

Ans [4]

148. Where neither party appears when the suit is called on for hearing, the court may make an order that? /जहाँ वाद की सुनवाई के लिए पुकार होने पर दोनों में से कोई भी पक्षकार उपसंजात नहीं होता है, तो वहाँ न्यायालय यह आदेश दे सकेगा कि

(1) The decree be passed in favour of plaintiff/ वादी के पक्ष में डिक्री पारित की जाए ।
(2) The suit be dismissed/ वाद खारिज कर दिया जाए
(3) The plaint be rejected/ वाद-पत्र नामंजूर कर दिया जाए
(4) The plaint be returned/ वाद - पत्र लौटा दिया जाए

Ans [2]

149. Where the plaintiff appears and the defendant does not appear when the suit is called for hearing and it is not proved that the summons was duly served, the court shall /जहाँ वाद की सुनवाई के लिए पुकार होने पर वादी उपसंजात हो जाता है और प्रतिवादी उपसंजात नहीं होता है और यह साबित नहीं होता है कि समन की तामील सम्यक् रूप से की गई थी, तब न्यायालय

(1) hear the suit ex-parte/ वाद की एक पक्षीय सुनवाई करेगा ।
(2) dismiss the suit./ वाद खारिज कर देगा ।
(3) direct a second summons to be issued and served on defendant/ आदेश देगा कि दूसरा समन निकाला जाए और उसकी तामील प्रतिवादी पर की जाए ।

(4) issue a warrant for arrest of defendant/ प्रतिवादी की गिरफ्तारी के लिए वारण्ट निकालेगा ।

Ans [3]

150. The forms in ---------- when applicable and where they are not applicable, forms of like character, as nearly as may be, shall be used for all pleadings. / जब लागू होने योग्य हो तब ---------- के प्ररूप और जहाँ वे लागू होने योग्य न हो, वहाँ जहाँ तक हो सके, लगभग वैसे ही प्ररूप सभी अभिवचनों के लिए प्रयुक्त किये जाएँगे।

(1) Appendix 'A'/ परिशिष्ट 'क'
(2) Appendix 'B'/ परिशिष्ट 'ख'
(3) Appendix 'C' परिशिष्ट 'ग'
(4) Appendix 'D' परिशिष्ट 'घ'

Ans [1]

Linking Laws
"Link the Life with Law" All Judiciary Exam

Linking Laws

"Link the Life with Law"

Why Linking Laws?

Online Platform For Judiciary Exam Preparation

- Real Time Event Linking
- Meditation of Sections
- News Paper Cutting Approach
- Bilingual Approach
- Diagrammatic Notes Making

Scan this QR Code to buy Linking Publications.

- Legal Debate Competition.
- Judges / Senior Advocates Interview Session.
- Previous Exam Papers Bird View.
- Test Series (Pre. & Mains)
- Mock Interview & Many More.

INTER LINKING

Section ⟷ Section
Chapter ⟷ Chapter
Act ⟷ Act

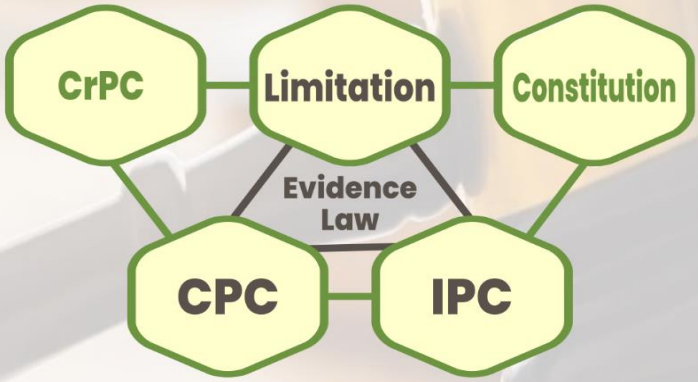

Linking Charts

Major Laws Linking Chart

Alpha Minor Amendment Linking Chart

Linking Charts & Paperathon Booklets

now available at

Linking App

GET IT ON Google Play

Scan this QR to install the Linking App